भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1838 का उत्तर

बहराइच-श्रावस्ती-बलरामपुर-उतरौला-डुमरियागंज-खलीलाबाद रेल लाइन

1838. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बहराइच से आकांक्षी जिला श्रावस्ती-बलरामपुर-उतरौला-डुमरियागंज होकर खलीलाबाद तक जाने वाली प्रस्तावित नई रेलवे लाइन परियोजना के निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त निर्माण कार्य के कब तक प्रारंभ होने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): बहराइच-खलीलाबाद वाया श्रावस्ती, बलरामपुर, उतरौला, डुमरियागंज नई रेल लाइन परियोजना (240 किलोमीटर) को 4940 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है। इस परियोजना को राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण हेतु "विशेष रेल परियोजना" के रूप में अधिसूचित किया गया है। कार्य को तीन चरणों में पूरा करने की योजना बनाई गई है: खलीलाबाद से बांसी (54 किलोमीटर), बांसी-श्रावस्ती (113 किलोमीटर) और श्रावस्ती से बहराइच (73 किलोमीटर)। खलीलाबाद से बांसी खंड के लिए भूमि अधिग्रहण का अधिकांश भाग पूरा हो चुका है और तदनुसार कार्य शुरू कर दिया गया है। मार्च 2025 तक 1067 करोड़ रुपए का व्यय

उपगत किया गया है और वर्ष 2025-26 के लिए इस परियोजना के लिए 421 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रदान किया गया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****